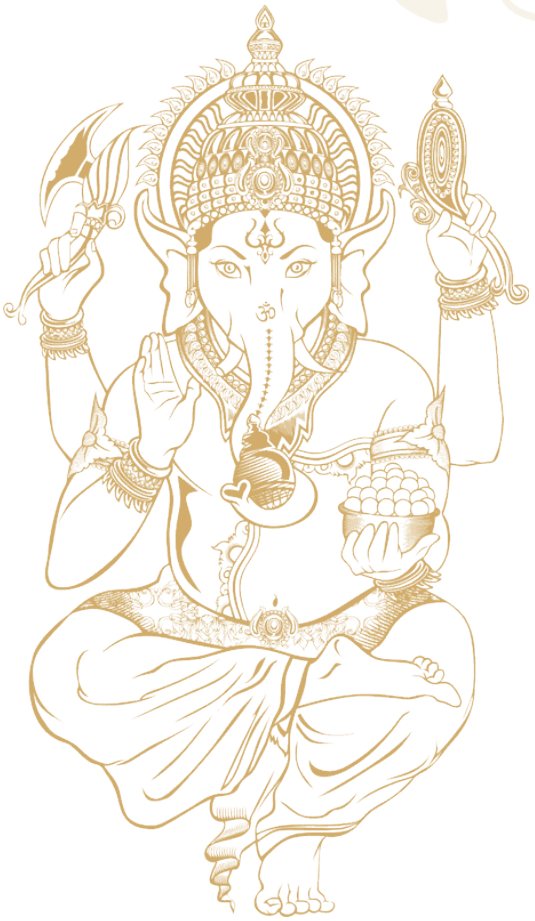

Mr.

10 Mar 2026

12:22 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121537005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:22:00 घंटे**
इष्ट	14:22:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:00:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:12:44 घंटे
सूर्योदय	06:36:59 घंटे
सूर्यास्त	18:26:20 घंटे
दिनमान	11:49:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:28:49 कुम्भ
लग्न के अंश	07:29:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:29:58	328:23:35	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	25:28:49	00:59:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	13:20:31	11:52:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	कुंभ	11:50:07	00:47:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	19:49:12	00:58:05	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:51:50	00:00:10	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:32:52	01:14:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			मीन	08:37:24	00:07:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:40:12	00:00:35	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:40:12	00:00:35	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:44:33	00:01:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:09:34	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:32:51	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	22:55:54	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

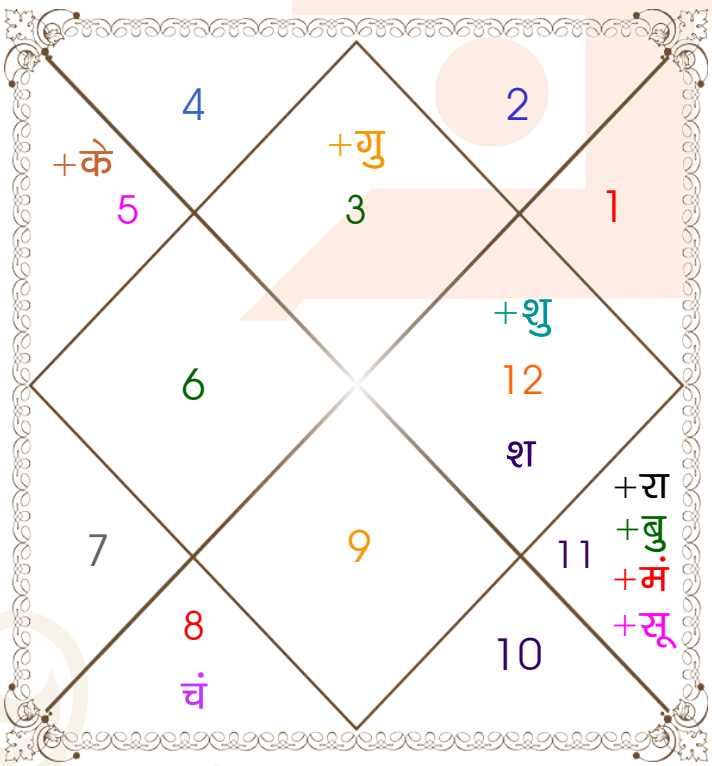

चन्द्र कुंडली

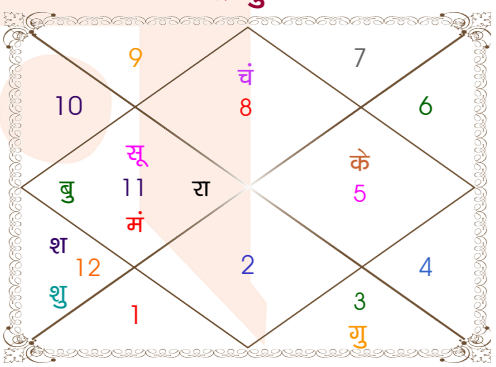

नवमांश कुंडली

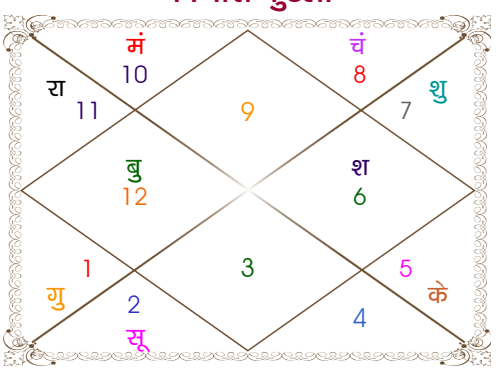

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 8 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/03/2026		04/12/2030		05/12/2047		04/12/2054		04/12/2074	
04/12/2030		05/12/2047		04/12/2054		04/12/2074		04/12/2080	
	00/00/0000	बुध	02/05/2033	केतु	02/05/2048	शुक्र	05/04/2058	सूर्य	24/03/2075
	00/00/0000	केतु	29/04/2034	शुक्र	02/07/2049	सूर्य	05/04/2059	चंद्र	23/09/2075
	00/00/0000	शुक्र	27/02/2037	सूर्य	07/11/2049	चंद्र	04/12/2060	मंगल	28/01/2076
	00/00/0000	सूर्य	04/01/2038	चंद्र	08/06/2050	मंगल	03/02/2062	राहु	22/12/2076
	00/00/0000	चंद्र	05/06/2039	मंगल	04/11/2050	राहु	03/02/2065	गुरु	10/10/2077
	00/00/0000	मंगल	01/06/2040	राहु	23/11/2051	गुरु	05/10/2067	शनि	22/09/2078
	10/03/2026	राहु	20/12/2042	गुरु	28/10/2052	शनि	04/12/2070	बुध	30/07/2079
राहु	23/05/2028	गुरु	27/03/2045	शनि	07/12/2053	बुध	04/10/2073	केतु	05/12/2079
गुरु	04/12/2030	शनि	05/12/2047	बुध	04/12/2054	केतु	04/12/2074	शुक्र	04/12/2080

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/12/2080		04/12/2090		04/12/2097		06/12/2115		06/12/2131	
04/12/2090		04/12/2097		06/12/2115		06/12/2131		00/00/0000	
चंद्र	04/10/2081	मंगल	03/05/2091	राहु	17/08/2100	गुरु	23/01/2118	शनि	08/12/2134
मंगल	05/05/2082	राहु	20/05/2092	गुरु	11/01/2103	शनि	05/08/2120	बुध	18/08/2137
राहु	04/11/2083	गुरु	26/04/2093	शनि	17/11/2105	बुध	11/11/2122	केतु	26/09/2138
गुरु	05/03/2085	शनि	05/06/2094	बुध	05/06/2108	केतु	18/10/2123	शुक्र	26/11/2141
शनि	05/10/2086	बुध	02/06/2095	केतु	24/06/2109	शुक्र	18/06/2126	सूर्य	08/11/2142
बुध	05/03/2088	केतु	29/10/2095	शुक्र	24/06/2112	सूर्य	06/04/2127	चंद्र	08/06/2144
केतु	04/10/2088	शुक्र	28/12/2096	सूर्य	18/05/2113	चंद्र	05/08/2128	मंगल	18/07/2145
शुक्र	05/06/2090	सूर्य	05/05/2097	चंद्र	17/11/2114	मंगल	12/07/2129	राहु	11/03/2146
सूर्य	04/12/2090	चंद्र	04/12/2097	मंगल	06/12/2115	राहु	06/12/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 8 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।